



चम्पारण ज्ञानाग्रह



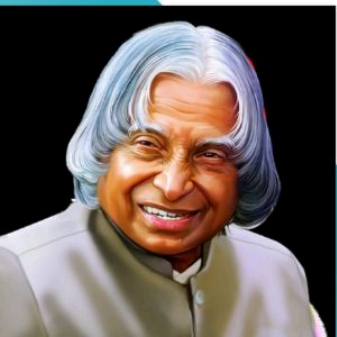
प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक- 09 अक्टूबर 2026, अंक -375.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



"दया धर्म का मूल है।"



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक

उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org





Friday Prayer

लब पे आती है दुआ बनके तमन्ना मेरी,
जिंदगी शम्मे की सूरत हो खुदाया मेरी।

हो मेरे दम से यूँ ही मेरे वतन की ज़ीनत,
जिस तरह फूल से होती है चमन की ज़ीनत।

जिंदगी हो मेरी परवान की सूरत या रब,
इल्म की शम्मा से हो मुझको मोहब्बत या रब।

हो मेरा काम गरीबों की हिमायत करना,
दर्दमंदों से जड़फों से मोहब्बत करना।

मेरे अल्लाह बुराई से बचना मुझको,
नेक जो राह हो उस रह पे चलाना मुझको।

-मोहम्मद आलम इक़बाल

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करुणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू ही अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरुगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्।
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारङ्ग प्रतिमा गङ्गि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्।
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्।

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे॥

संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।



संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,

भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14-18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19-22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23-24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25-28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29-30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) - मौलिक कर्तव्य:

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह -

- (1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
- (2.) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
- (3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
- (4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
- (5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
- (6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
- (7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
- (8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
- (9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
- (10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
- (11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।



सामान्य-ज्ञान



प्रश्न 1. घाना की राजधानी क्या है?

उत्तर: अक्रा

प्रश्न 2. भारत की पहली महिला डॉक्टर कौन थीं?

उत्तर: आनंदी गोपाल जोशी

प्रश्न 3. 'नुपा पाला' किस राज्य की प्रसिद्ध नृत्य-संगीत परंपरा है?

उत्तर: मणिपुर

प्रश्न 4. $2.4 + 1.35$ का मान कितना होगा?

उत्तर: 3.75

प्रश्न 5. बिहार का 'आमी मंदिर' किस जिले में स्थित है?

उत्तर: सारण

प्रश्न 6. विश्व का सबसे तेज दौड़ने वाला स्थलीय पक्षी कौन-सा है?

उत्तर: शुतुरमुर्ग

प्रश्न 7. डीजल इंजन का आविष्कार किसके नाम से जुड़ा है?

उत्तर: रूडोल्फ डीजल

प्रश्न 8. भारतीय संविधान में निर्वाचन आयोग का उल्लेख किस अनुच्छेद में है?

उत्तर: अनुच्छेद 324

प्रश्न 9. 'नवीन' का विलोम शब्द क्या है?

उत्तर: प्राचीन

प्रश्न 10. पौधे का कौन-सा भाग उसे सीधा खड़ा रखने और पत्तियों तक जल पहुँचाने में मदद करता है?

उत्तर: तना

संकलन:-



पिन्दू कुमार

विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

- 1 Economy - इकॉनमी - अर्थव्यवस्था
- 2 Budget - बजट - आय-व्यय का अनुमान
- 3 Currency - करेंसी - मुद्रा
- 4 Banknote - बैंकनोट - कागज़ी मुद्रा
- 5 Coin - कॉइन - सिक्का
- 6 Market - मार्केट - बाज़ार
- 7 Commerce - कॉमर्स - वाणिज्य



संकलन:-

सौरभ कुमार

विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "Who is going to + V1?"

(कौन ... करने वाला/वाली है?)

कौन आज कक्षा की सफाई करने वाला है? - Who is going to clean the classroom today?

कौन यह कहानी सुनाने वाला है? - Who is going to tell this story?

कौन पौधे लगाने वाला है? - Who is going to plant the trees?

कौन आज भोजन बनाने वाला है? - Who is going to cook the food today?

कौन कार्यक्रम में गीत गाने वाला है? - Who is going to sing a song at the programme?



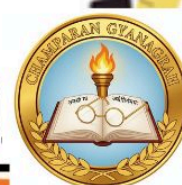
संकलन:-

अभिनव राज

प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण



"सामान्य-ज्ञान" (वर्ग:6-12)



प्र.1. प्रतिवर्ष 9 अक्टूबर को 1874 में यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (UPU) की स्थापना की स्मृति में वैश्विक संचार को सम्मानित करने हेतु कौन-सा दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: विश्व डाक दिवस (World Post Day)

व्याख्या: प्रतिवर्ष 9 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'विश्व डाक दिवस' (World Post Day) मनाया जाता है। 1874 में इसी दिन स्विट्जरलैंड की राजधानी बर्न में 22 देशों ने मिलकर 'यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन' (UPU) की स्थापना की थी। टोक्यो में आयोजित 1969 के यूपीयू सम्मेलन में 9 अक्टूबर को औपचारिक रूप से विश्व डाक दिवस घोषित किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों और व्यावसायिक जगत के दैनिक जीवन में डाक सेवाओं की भूमिका, वैश्विक लॉजिस्टिक्स नेटवर्क और सामाजिक-आर्थिक विकास में डाकघरों के योगदान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है। भारत में इसके अगले दिन से 'राष्ट्रीय डाक सप्ताह' मनाया जाता है।

संदर्भ: Universal Postal Union (UPU) Official Portal; Department of Posts, Ministry of Communications, Government of India;

प्र.2. अक्टूबर 2026 में भारत सरकार द्वारा उच्च गति वाले रेलवे नेटवर्क के स्वदेशी विस्तार हेतु 'वंदे भारत' स्लीपर ट्रेनों के वाणिज्यिक परिचालन का प्रथम चरण किन प्रमुख महानगरों के मध्य शुरू किया गया? (समसामयिक घटना)

उत्तर: नई दिल्ली - पटना - हावड़ा रूट

व्याख्या: अक्टूबर 2026 में भारतीय रेल द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित पहली पूर्ण वातानुकूलित 'वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस' का नियमित वाणिज्यिक परिचालन नई दिल्ली से हावड़ा (वाया पटना) मार्ग पर आरंभ किया गया। इंडीग्रल कोच फैक्ट्री (ICF) और बीईएमएल (BEML) द्वारा निर्मित यह सेमी-हाई-स्पीड स्लीपर ट्रेन 160 किमी/घंटा की गति से चलने में सक्षम है। यह आधुनिक केवच (KAVACH) स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली, एर्गोनॉमिक बर्थ, बायो-वैक्यूम टॉयलेट और विमान-जैसी ध्वनि-रोधी यात्री सुविधाओं से सुसज्जित है। यह लंबी दूरी की रात्रि यात्रा को तीव्र, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में भारतीय रेल का ऐतिहासिक कदम है।

संदर्भ: Ministry of Railways Press Release October 2026;

प्र.3. हिंदी गद्य साहित्य के विकास में मील का पत्थर माने जाने वाले बालकृष्ण भट्ट द्वारा 1877 में प्रयाग (इलाहाबाद) से किस प्रसिद्ध मासिक पत्रिका का संपादन व प्रकाशन आरंभ किया गया था? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: हिंदी प्रदीप (1877)

व्याख्या: 'हिंदी प्रदीप' भारतेंदु युग की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और राष्ट्रवादी मासिक पत्रिका थी, जिसका संपादन पं. बालकृष्ण भट्ट ने 1877 में प्रयागराज से प्रारंभ किया था। इस पत्रिका का मुख्य ध्येय वाक्य था — "शुभ सरस देश सनेह पूरित प्रगट आनंद भरे।" भारतेंदु हरिश्चंद्र ने इस पत्रिका के प्रथम अंक का लोकार्पण किया था। बालकृष्ण भट्ट ने इस पत्रिका के माध्यम से ब्रिटिश हुकूमत की शोषणकारी आर्थिक नीतियों, सामाजिक कुरीतियों, बाल विवाह और अंधविश्वास पर लगभग 33 वर्षों तक निरर्भक राजनीतिक व सामाजिक निबंध लिखे। यह पत्रिका आधुनिक हिंदी गद्य और पत्रकारिता के विकास की प्रमुख आधारशिला बनी।

संदर्भ: डॉ. रामविलास शर्मा — 'भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परंपरा', राजकमल प्रकाशन; NCERT Hindi Class 11 (अंग्रेजी भाषा में लिखित पुस्तक)

प्र.4. अत्यधिक जीवाश्म ईंधन दहन और कृषि रसायनों के कारण वायुमंडल में सल्फर डाइऑक्साइड (SO₂) और नाइट्रोजन ऑक्साइड (NO_x) के जलवाष्प से क्रिया करने पर बनने वाली अम्लीय वर्षा का pH मान सामान्यतः कितने से कम होता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: pH मान 5.6 से कम

व्याख्या: शुद्ध वर्षा जल का सामान्य pH मान लगभग 5.6 होता है क्योंकि वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड घुलकर हल्का कार्बोनिक अम्ल बनाती है। परंतु जब कल-कारखानों, ताप विद्युत गृहों और वाहनों से उत्सर्जित सल्फर डाइऑक्साइड (SO₂) और नाइट्रोजन ऑक्साइड (NO_x) वायुमंडलीय जलवाष्प और ऑक्सीजन के साथ रासायनिक क्रिया करते हैं, तो वे क्रमशः सल्फ्यूरिक अम्ल (H₂SO₄) और नाइट्रिक अम्ल (HNO₃) का निर्माण करते हैं। जब वर्षा जल का pH मान 5.6 से कम हो जाता है, तो उसे 'अम्लीय वर्षा' (Acid Rain) कहा जाता है। यह मृदा की उर्वरता नष्ट करती है, जलस्रोतों को विषैला बनाती है तथा संगमरमर की ऐतिहासिक इमारतों (जैसे ताजमहल) का 'स्टोन लेप्रोसी' (संक्षारण) करती है।

संदर्भ: NCERT Chemistry Class 11, Ch 14 "पर्यावरणीय रसायन", p. 405-408;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान बिहार के जगदीशपुर (भोजपुर) में 80 वर्ष की आयु में ब्रिटिश सेनापति ली ग्रैंड और कैप्टन डनबर को पराजित करने वाले महानायक कौन थे? (इतिहास)

उत्तर: वीर कुंवर सिंह (बाबू कुंवर सिंह)

व्याख्या: बाबू वीर कुंवर सिंह (1777-1858) 1857 के राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम के सबसे अद्वितीय, वयोवृद्ध और अजेय जननायक थे। जगदीशपुर के परमार राजपूत घराने से संबंध रखने वाले कुंवर सिंह ने लगभग 80 वर्ष की वृद्धावस्था में अंग्रेजों के विरुद्ध तलवार उठाई। दानापुर के विद्रोही सैनिकों का नेतृत्व संभालते हुए उन्होंने आरा नगर को ब्रिटिश नियंत्रण से मुक्त कराया और कैप्टन डनबर की सेना को ध्वस्त कर दिया। इसके बाद उन्होंने मिर्जापुर, रीवा, बांदा, कानपुर और आजमगढ़ में ब्रिटिश सेनापति लॉर्ड मार्क केर को हराया। 23 अप्रैल 1858 को जगदीशपुर के निकट ब्रिटिश सेनापति ली ग्रैंड को निर्णायक रूप से पराजित किया। युद्ध में अपना बायां हाथ गंगा मैया को समर्पित करने वाले इस अदम्य सेनानी का 26 अप्रैल 1858 को देहावसान हुआ।

संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद"

प्र.6. हिमालय से निकलने वाली वह कौन-सी प्रमुख बारहमासी नदी है, जो तिब्बत में मानसरोवर झील के निकट 'चेमायुंगडुंग' हिमनद से निकलकर अरुणाचल प्रदेश में 'दिहांग' कहलाती है? (भूगोल)

उत्तर: ब्रह्मपुत्र नदी (तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो)

व्याख्या: ब्रह्मपुत्र नदी विश्व की सबसे बड़ी और जल-प्रवाह की दृष्टि से अत्यंत विशाल नदी प्रणालियों में से एक है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 2,900 किलोमीटर है। इसका उद्गम तिब्बत में मानसरोवर झील के पूर्व में स्थित 'चेमायुंगडुंग' हिमनद से होता है, जहाँ इसे 'यारलुंग त्सांगपो' कहा जाता है। हिमालय के समानांतर पूर्व की ओर बहने के बाद यह नामचा बरवा पर्वत शिखर के पास यू-टर्न (हेयरपिन बेंड) लेकर भारत के अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करती है, जहाँ इसे 'दिहांग' कहा जाता है। असम घाटी में दिबांग और लोहित नदियों के मिलने पर इसका नाम 'ब्रह्मपुत्र' पड़ता है। असम में यह नदी विश्व का सबसे बड़ा नदी द्वीप 'माजुली' बनाती है और बांग्लादेश में इसे 'जमुना' के नाम से जाना जाता है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (मध्यम कक्षा भाग-1), Ch 3 "आवाह" p. 19-21;

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राज्य को समान न्याय को बढ़ावा देने और आर्थिक या अन्य अक्षमताओं से ग्रस्त नागरिकों को 'निःशुल्क विधिक सहायता' (Free Legal Aid) उपलब्ध कराने का निर्देश देता है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 39A (42वां संविधान संशोधन 1976)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-IV में राज्य की नीति के निदेशक तत्वों के अंतर्गत 'अनुच्छेद 39A' 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा अंतःस्थापित किया गया था। यह उपबंध करता है कि "राज्य यह सुनिश्चित करेगा कि विधिक तंत्र इस प्रकार कार्य करे जिससे समान अवसर के आधार पर न्याय सुलभ हो, और वह विशिष्टता यह सुनिश्चित करने के लिए कि आर्थिक या किसी अन्य अक्षमता के कारण कोई नागरिक न्याय पाने के अवसर से वंचित न रह जाए, निःशुल्क विधिक सहायता (Free Legal Aid) की व्यवस्था करेगा।" इसी संवैधानिक लक्ष्य की प्राप्ति हेतु संसद ने 'विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987' पारित किया, जिसके तहत राष्ट्रीय स्तर पर नालसा (NALSA) और राज्य स्तर पर डालसा (DALSA) तथा लोक अदालतों का गठन किया गया है।

संविधान: सिद्धांत और व्यवहार, Ch 2 Fundamental Rights & DPSPs, p. 42-45;

प्र.8. किसी समतल सतह पर अभिलंबवत (Perpendicular) आपतित होने वाली प्रकाश किरण का आपतन कोण ($\angle i$) कितना होता है और परावर्तन के पश्चात वह किस दिशा में लौटती है? (विज्ञान)

उत्तर: 0 डिग्री (0°); ठीक उसी पथ पर वापस विपरीत दिशा में

व्याख्या: प्रकाशिकी के परावर्तन नियमानुसार, आपतन कोण ($\angle i$) आपतित किरण और दर्पण की सतह पर खींचे गए लंब (अभिलंब) के बीच बनने वाला कोण होता है। जब कोई प्रकाश किरण किसी समतल या गोलीय परावर्तक सतह पर लंबवत (अभिलंब की ही दिशा में) आपतित होती है, तो आपतित किरण और अभिलंब दोनों एक ही रेखा पर संपाती हो जाते हैं, अतः आपतन कोण $\angle i = 0^\circ$ होता है। परावर्तन के प्रथम नियमानुसार, आपतन कोण सदैव परावर्तन कोण के बराबर होता है ($\angle i = \angle r$), इसलिए परावर्तन कोण $\angle r = 0^\circ$ होगा। इसका परिणाम यह होता है कि प्रकाश की किरण बिना किसी विचलन के ठीक उसी मार्ग पर विपरीत दिशा में 180 डिग्री पर वापस लौट जाती है (Retraces its path)।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 10 "प्रकाश - परावर्तन तथा अपवर्तन" p. 174-177;

प्र.9. 12वीं शताब्दी में कश्मीर के प्रसिद्ध कवि एवं इतिहासकार कल्हण द्वारा संस्कृत भाषा में रचित वह कौन-सा ऐतिहासिक ग्रंथ है, जिसे भारतीय इतिहास-लेखन का प्रथम वैज्ञानिक ग्रंथ माना जाता है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: राजतरंगिणी (Rajatarangini)

व्याख्या: 'राजतरंगिणी' (शाब्दिक अर्थ: राजाओं की नदी) 12वीं शताब्दी (लगभग 1148-1150 ईस्वी) में कश्मीरी विद्वान और कवि कल्हण द्वारा संस्कृत श्लोकों में रचित एक अमर ऐतिहासिक महाकाव्य है। इसमें 8 तरंग (अध्याय) और लगभग 7,826 श्लोक हैं। यह ग्रंथ महाभारत कालीन पौराणिक राजाओं से लेकर 12वीं शताब्दी के लोहार राजवंश के राजा जयसिंह के काल तक के कश्मीर के राजनीतिक, प्रशासनिक, सामाजिक और सांस्कृतिक इतिहास का क्रमबद्ध विवरण प्रस्तुत करता है। कल्हण ने इसमें केवल प्रशंसात्मक आख्यान लिखने के बजाय सिक्कों, शिलालेखों, वंशावलियों और प्रत्यक्ष साक्ष्यों का परीक्षण कर निष्पक्षता से इतिहास लिखा, जिसके कारण इसे भारत का प्रथम प्रामाणिक इतिहास-ग्रंथ स्वीकार किया जाता है।

संदर्भ: NCERT History Class 7 (हमारे अतीत-2), Ch 2 "नए राजा और उनके राज्य", p. 17-19;

प्र.10. 1930 में बिहार के पटना में 'नमक सत्याग्रह' का ऐतिहासिक नेतृत्व करते हुए नखास पिंड नामक स्थान पर खारे पानी से नमक बनाकर गिरफ्तारी देने वाले प्रमुख राष्ट्रवादी नेता कौन थे? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: अंबिका कांत सिंह

व्याख्या: अप्रैल 1930 में महात्मा गांधी के दांडी मार्च से प्रेरित होकर जब पूरे बिहार में सविनय अवज्ञा आंदोलन फैला, तो पटना नगर में नमक सत्याग्रह का केंद्र 'नखास पिंड' (मंगल तालाब के निकट) को चुना गया। इस आंदोलन का मुख्य नेतृत्व प्रखर राष्ट्रवादी नेता अंबिका कांत सिंह ने किया। उनके साथ प्रो. अब्दुल बारी, आचार्य कृपलानी और राजेंद्र प्रसाद जैसे दिग्गज नेता उपस्थित थे। 16 से 21 अप्रैल 1930 के मध्य स्वयंसेवकों के जत्थों ने पुलिस की बर्बर लाठीचार्ज और अश्वारोही पुलिस के घोड़ों के खुरों के नीचे रौंदे जाने के बावजूद पीछे हटने से इंकार कर दिया। अंबिका कांत सिंह ने भारी पुलिस घेरे के बीच नमकीन मिट्टी और पानी से नमक बनाकर नमक कानून तोड़ा, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर बांकीपुर जेल भेज दिया गया।

संदर्भ: BPSC General Studies Paper-1 Bihar Freedom Struggle Module;

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: अक्टूबर W1 – नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव) के अनुसार यदि किसी छात्र को नदी पार करने हेतु नाव की सवारी करनी पड़े, तो सुरक्षित यात्रा हेतु कौन-से दो बुनियादी सुरक्षा नियम अपनाने चाहिए और लाइफ-जैकेट (Life Jacket) का सही उपयोग क्यों अनिवार्य है? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: अधिकृत नाव व क्षमता अनुसार बैठना, शांत रहना; सिर को पानी के ऊपर रखकर डूबने से शत-प्रतिशत रक्षा

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (अक्टूबर W1: नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के संदर्भ में जानकारी) के अनुसार, जल-सुरक्षा के बुनियादी नियम जीवन-रक्षक सिद्ध होते हैं: (1) हमेशा सुरक्षित, प्रमाणित और पंजीकृत नाव का ही व्यवहार करें; कभी भी जर्जर, टूटी हुई या बिना मल्लाह वाली नाव पर न चढ़ें; (2) यदि नाव पर पहले से क्षमता से अधिक लोग या मवेशी सवार हों, तो ऐसी नाव पर बिल्कुल न चढ़ें और अगली सुरक्षित नाव की प्रतीक्षा करें; (3) यात्रा के दौरान नाव में खड़े होकर हड़दंग न करें, न ही झुककर पानी को छूने की कोशिश करें; (4) लाइफ-जैकेट (Life Jacket) का अनिवार्य उपयोग – पानी की यात्रा शुरू करने से पूर्व सभी बकल कसकर लाइफ-जैकेट पहनें; यह उच्च उछाल (High Buoyancy) वाला प्रमाणित उपकरण किसी व्यक्ति के बेहोश होने की स्थिति में भी उसके सिर और मुंह को पानी की सतह से ऊपर बनाए रखता है, जिससे डूबने का जोखिम शून्य हो जाता है।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module October W1 – "नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के संदर्भ में जानकारी"

प्र.12. एक समलंब चतुर्भुज (Trapezium) की दो समानांतर भुजाओं की लंबाईयों क्रमशः 14 सेमी और 10 सेमी हैं तथा उनके बीच की लंबवत दूरी (ऊँचाई) 8 सेमी है। बताइए उस समलंब चतुर्भुज का क्षेत्रफल कितने वर्ग सेंटीमीटर होगा? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

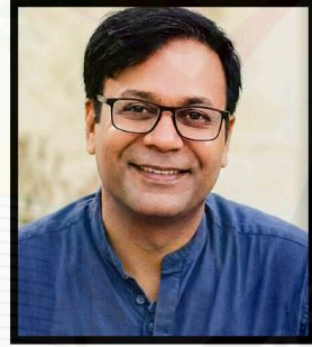
उत्तर: 96 वर्ग सेमी

व्याख्या: यह समलंब चतुर्भुज (Trapezium) के क्षेत्रफल पर आधारित एक मानक, तार्किक और महत्वपूर्ण क्षेत्रमिति (Mensuration) का प्रश्न है।

समलंब चतुर्भुज के क्षेत्रफल का सूत्र: $\text{क्षेत्रफल} = \frac{1}{2} \times (\text{समानांतर भुजाओं का योग}) \times \text{लंबवत ऊँचाई}$, गणितीय रूप में: $\text{क्षेत्रफल} = \frac{1}{2} \times (a + b) \times h$ यहाँ दिया गया है: समानांतर भुजा 1 (a) = 14 सेमी, समानांतर भुजा 2 (b) = 10 सेमी, ऊँचाई (h) = 8 सेमी मान प्रतिस्थापित करने पर, $\text{क्षेत्रफल} = \frac{1}{2} \times (14 + 10) \times 8 = \frac{1}{2} \times 24 \times 8 = 12 \times 8 = 96$ (वर्ग सेमी)। अतः उस समलंब चतुर्भुज का क्षेत्रफल ठीक 96 वर्ग सेंटीमीटर होगा।

GS संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण ।



अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

- Intransigent (इन्ट्रेन्सिजेन्ट) = Unyielding (अनयीलिंग) = अडिग / हठी / समझौता न करने वाला
Antonym – Flexible (फ्लेक्सिबल) = लचीला / समझौतावादी
- Magniloquent (मैग्निलोक्वेन्ट) = Grandiloquent (ग्रैंडिलोक्वेन्ट) = आडंबरपूर्ण भाषा बोलने वाला / बड़े-बड़े शब्दों वाला
Antonym – Plain (प्लेन) = सरल / सीधा-सादा
- Pithy (पिथी) = Concise (कन्साइस) = संक्षिप्त लेकिन सारगर्भित
Antonym – Verbose (वर्बोस) = बहुत अधिक शब्दों वाला
- Soporific (सोपोरिकफिक) = Sleep-inducing (स्लीप-इन्ड्यूसिंग) = नींद लाने वाला / उबाऊ
Antonym – Stimulating (स्टिम्युलेटिंग) = उत्साहवर्धक / उत्तेजक
- Voracious (वोरेशस) = Ravenous (रैवनस) = अत्यधिक भूखा / बहुत लालची
Antonym – Satiated (सैटिएटिड) = पूरी तरह संतुष्ट / तृप्त

~: संकलन ~:

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।





"आज का अखबार"

NATIONAL NEWS



Cabinet approves ₹10,000 crore SME fund to boost small and medium enterprises; aims to enhance competitiveness and innovation

हिन्दी अनुवाद: मंत्रिमंडल ने लघु और मध्यम उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए 10,000 करोड़ रुपये के SME फंड को मंजूरी दी; प्रतिस्पर्धात्मकता और नवाचार बढ़ाने का लक्ष्य।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने लघु और मध्यम उद्यमों (SME) के लिए 10,000 करोड़ रुपये के फंड को मंजूरी दी है। यह फंड SME क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता, नवाचार और विकास को बढ़ावा देगा। यह पहल 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेगी। UPSC/BPSC के लिए: SME — लघु और मध्यम उद्यम; MSME — सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम; Make in India — मेक इन इंडिया।

Cabinet approves ₹10,000 crore SME fund to boost small and medium enterprises; aims to enhance competitiveness and innovation

हिन्दी अनुवाद: मंत्रिमंडल ने लघु और मध्यम उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए 10,000 करोड़ रुपये के SME फंड को मंजूरी दी; प्रतिस्पर्धात्मकता और नवाचार बढ़ाने का लक्ष्य।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने लघु और मध्यम उद्यमों (SME) के लिए 10,000 करोड़ रुपये के फंड को मंजूरी दी है। यह फंड SME क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता, नवाचार और विकास को बढ़ावा देगा। यह पहल 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेगी। UPSC/BPSC के लिए: SME — लघु और मध्यम उद्यम; MSME — सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम; Make in India — मेक इन इंडिया।

Air Marshal Ashutosh Dixit appointed as 29th Chief of Air Staff; assumes office on October 31, 2026

हिन्दी अनुवाद: एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित को 29वें वायु सेना प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया; 31 अक्टूबर 2026 को पदभार ग्रहण करेंगे।

सरकार ने वर्तमान में वायु सेना के उप प्रमुख (Vice Chief of Air Staff) एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित को 29वें वायु सेना प्रमुख (Chief of Air Staff) के रूप में नियुक्त किया है। वे 31 अक्टूबर 2026 की दोपहर को एयर चीफ मार्शल के पद पर पदभार ग्रहण करेंगे और एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह का स्थान लेंगे जो उस दिन सेवानिवृत्त हो रहे हैं। UPSC/BPSC के लिए: Indian Air Force — भारतीय वायु सेना; Chief of Air Staff — वायु सेना प्रमुख; CAS — चीफ ऑफ एयर स्टाफ।

INTERNATIONAL NEWS

Iran says Strait of Hormuz could reopen within a week as Tehran weighs US response; diplomatic process continuing

हिन्दी अनुवाद: ईरान ने कहा कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य एक सप्ताह के भीतर फिर से खुल सकता है क्योंकि तेहरान US प्रतिक्रिया पर विचार कर रहा है; कूटनीतिक प्रक्रिया जारी।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने कहा कि कूटनीतिक प्रक्रिया अभी भी जारी है और होर्मुज़ जलडमरूमध्य एक सप्ताह के भीतर फिर से खुल सकता है। ईरान और ओमान ने होर्मुज़ जलडमरूमध्य के माध्यम से जहाजों के लिए सुरक्षित मार्गों के भौगोलिक निर्देशांक पर सहमति व्यक्त की है, लेकिन यह व्यावसायिक शिपिंग के लिए अबाधित मार्ग की गारंटी नहीं देता। UPSC/BPSC के लिए: Strait of Hormuz — होर्मुज़ जलडमरूमध्य; Iran-US talks — ईरान-अमेरिका वार्ता; Diplomatic process — कूटनीतिक प्रक्रिया।

Saudi-led coalition strikes 82 Houthi targets across Yemen; oil prices stay above \$100 amid rising tensions

हिन्दी अनुवाद: सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने यमन भर में 82 हूति ठिकानों पर हमला किया; बढ़ते तनाव के बीच तेल की कीमतें 100 डॉलर से ऊपर।

सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने रियाद और अब्बा के हवाई अड्डों पर ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइल हमलों के जवाब में चार यमनी प्रांतों में 82 हूति सैन्य ठिकानों को नष्ट कर दिया है। हमलों में तीन लोग मारे गए और दर्जनों घायल हुए। Brent क्रूड तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं। UPSC/BPSC के लिए: Houthi rebels — हूति विद्रोही; Saudi-led coalition — सऊदी-नेतृत्व वाला गठबंधन; Oil prices — तेल की कीमतें।

UN chief Guterres backs Pakistan mediation efforts; urges US and Iran to end Gulf conflict, restore navigation rights

हिन्दी अनुवाद: UN महासचिव गुटेरेस ने पाकिस्तान मध्यस्थता प्रयासों का समर्थन किया; US और ईरान से खाड़ी संघर्ष समाप्त करने, नौवहन अधिकार बहाल करने का आह्वान किया।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इस्लामाबाद में अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान पाकिस्तान के खाड़ी में तनाव कम करने के प्रयासों का समर्थन किया और US और ईरान से अपने संघर्ष को समाप्त करने और क्षेत्र में नौवहन अधिकार और स्वतंत्रता को बहाल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में तब तक शांति नहीं होगी जब तक फिलिस्तीनियों के आत्म-निर्धारण के अधिकार को पूरी तरह से लागू नहीं किया जाता। UPSC/BPSC के लिए: UNSG — संयुक्त राष्ट्र महासचिव; Pakistan mediation — पाकिस्तान मध्यस्थता; Freedom of navigation — नौवहन की स्वतंत्रता।

BIHAR NEWS

Bihar floods: Nearly 1 million affected across 6 districts; Ganga receding but still above danger level at several locations

हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़: 6 जिलों में लगभग 10 लाख प्रभावित; गंगा घट रही है लेकिन कई स्थानों पर अभी भी खतरे के निशान से ऊपर।
बिहार के छह जिलों में 169 ग्राम पंचायतों में लगभग 10 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। गंगा नदी घट रही है लेकिन दुमरिया पुल के पास जलस्तर स्थिर हो रहा है और पानी का दबाव कम हो रहा है। गंगा हाथीदाह, बुरही गंडक खगड़िया, बागमती बेनीबाद, कोसी कुरसेला और घाघरा दरौली में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। राज्य सरकार ने अधिकारियों को सामुदायिक रसोई चलाने, नावों और सूखे राशन वितरण की व्यवस्था करने और नदी के स्तर, बांधों और कटाव की निगरानी जारी रखने के निर्देश दिए हैं। UPSC/BPSC के लिए: Flood management — बाढ़ प्रबंधन; NDRF/SDRF — राष्ट्रीय/राज्य आपदा मोचन बल; Community kitchens — सामुदायिक रसोई।

Bihar first state to formulate silt policy; CM Samrat Choudhary reviews flood situation, seeks damage report
हिन्दी अनुवाद: बिहार सिल्ट नीति बनाने वाला पहला राज्य; CM सम्राट चौधरी ने बाढ़ स्थिति की समीक्षा की, क्षति रिपोर्ट मांगी।
मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार देश का पहला राज्य है जिसने सिल्ट नीति तैयार की है। उन्होंने बाढ़ स्थिति और इसके कारण हुए विनाश की समीक्षा की और अधिकारियों को यथाशीघ्र विस्तृत रिपोर्ट प्रदान करने का आदेश दिया। उन्होंने आपदा प्रबंधन विभाग को नदियों की वर्तमान स्थिति पर करीब से नजर रखने के निर्देश दिए। UPSC/BPSC के लिए: Silt policy — सिल्ट नीति; Flood relief — बाढ़ राहत; Disaster management — आपदा प्रबंधन।

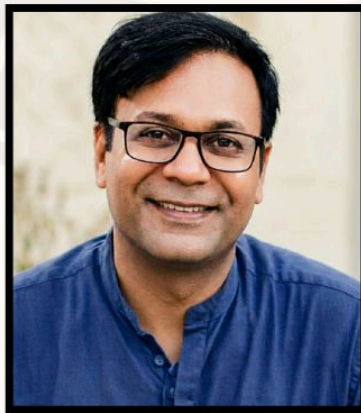
SPORTS NEWS

Smriti Mandhana appointed captain of India women's cricket team after Harmanpreet Kaur steps down; leads team to T20I series win against West Indies

हिन्दी अनुवाद: हरमनप्रीत कौर के इस्तीफे के बाद स्मृति मंधाना को भारत महिला क्रिकेट टीम की कप्तान नियुक्त किया गया; वेस्टइंडीज के खिलाफ T20I श्रृंखला जीत का नेतृत्व किया।
स्मृति मंधाना को भारत महिला क्रिकेट टीम की नई कप्तान नियुक्त किया गया है जो हरमनप्रीत कौर के सभी प्रारूपों में कप्तानी से इस्तीफा देने के बाद। मंधाना ने भारत को वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला T20I जीतने का नेतृत्व किया जिसमें श्रेयस अय्यर ने नाबाद शतक लगाया। भारत ने श्रृंखला में शुरुआती बढ़त हासिल की। UPSC/BPSC के लिए: BCCI — भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड; Women's cricket — महिला क्रिकेट; T20I — Twenty20 International।

Indian Air Force Day: IAF showcases aerial prowess; special flypasts and demonstrations across major cities

हिन्दी अनुवाद: भारतीय वायु सेना दिवस: IAF ने वायु शक्ति प्रदर्शित की; प्रमुख शहरों में विशेष फ्लाईपास्ट और प्रदर्शन।
भारतीय वायु सेना ने 8 अक्टूबर को वायु सेना दिवस पर अपनी वायु शक्ति का प्रदर्शन किया। देश भर के प्रमुख शहरों में विशेष फ्लाईपास्ट और प्रदर्शन आयोजित किए गए। IAF ने अपनी स्थापना के बाद से देश की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। UPSC/BPSC के लिए: Indian Air Force — भारतीय वायु सेना; IAF Day — वायु सेना दिवस; Defence modernization — रक्षा आधुनिकीकरण।



संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

आज का विचार:

**संसार में फैली अव्यवस्था या बुराई से हताश मत होइए। सत्य और न्याय की शक्ति हमेशा अंतिम रूप से विजयी होती है।
अपने कर्तव्य-पथ पर डटे रहिए और अपने हिस्से की सच्चाई व ईमानदारी को कभी डिगने मत दीजिए।**

प्रेरक प्रसंग सबसे बड़ा कौन?



एक दिन बादशाह अकबर ने दरबारियों से पूछा, “बताओ, दुनिया में सबसे बड़ा कौन है?”

दरबारी सोच में पड़ गए। किसी ने कहा, “बादशाह सबसे बड़े हैं।”

किसी ने भगवान का नाम लिया, तो किसी ने कहा कि धन सबसे बड़ा है। अकबर इन जवाबों से खुश नहीं हुए। उन्होंने बीरबल से पूछा, “बीरबल, तुम्हारा क्या कहना है?”

बीरबल ने कहा, “जहाँपनाह, घमंड में डूबा हर इंसान खुद को सबसे बड़ा समझता है। राजा को अपनी गद्दी का घमंड होता है, अमीर को पैसे का और ज्ञानी को अपनी बुद्धि का। यहाँ तक कि एक साधारण आदमी भी घमंड में आकर दूसरों को छोटा समझने लगता है।”

अकबर ने पूछा, “तो फिर सच में सबसे बड़ा कौन है?”

बीरबल मुस्कुराए और बोले, “हुजूर, असली बड़ा वह नहीं है जिसके पास पद, पैसा या ज्ञान हो। सबसे बड़ा वह है जिसके मन में विनम्रता हो और जो अपने से छोटों को भी पूरा सम्मान दे। ऊँचे पद पर बैठना आसान है, लेकिन दूसरों को आदर देना सबसे कठिन।”

बीरबल की बात सुनकर अकबर बहुत खुश हुए और बोले, “बीरबल, तुमने बिल्कुल सही कहा। आज तुमने सिखा दिया कि असल में बड़ा होना किसे कहते हैं।”

सीख: पद और पैसा इंसान को ऊँचा बना सकते हैं, लेकिन सच्चा आदर और महानता केवल अच्छे व्यवहार और विनम्रता से मिलती है।



.....
मनोज कुमार

प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण। 9





आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-15

सोचो... समझो... हल करो...

9	7	5			3			
						6	2	
								9
		4		8	5	9		2
						8		5
			6			3	4	
					6	2		
		3			7			
	5	9					8	7

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक 3x3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।

आज का विचार

"सपने वो नहीं जो हम सोते हुए देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते।"

— ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

याद रखें

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

9	7	5			3			
8	4	1	6	7	9	5	2	3
3	6	2	1	4	8	7	5	9
1	3	4	7	8	5	9	6	2
2	9	6	4	3	1	8	7	5
5	8	7	9	9	2	3	4	1
7	1	5	9	5	6	2	3	4
4	2	3	8	1	7	5	9	6
6	5	9	3	2	4	1	8	7

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

श्रीमद्भगवद्गीता — अध्याय 4, श्लोक 7-8
यदा यदा ही धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्॥
परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्।
धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे॥

सरल हिन्दी अर्थ:

हे भारत (अर्जुन)! जब-जब धर्म (सत्य, न्याय और व्यवस्था) की हानि होती है और अधर्म (अन्याय, अव्यवस्था और दुराचार) में वृद्धि होती है, तब-तब मैं स्वयं को प्रकट करता हूँ। सज्जन और श्रेष्ठ पुरुषों की रक्षा के लिए, पापियों व दुष्ट कर्म करने वालों के विनाश के लिए, और धर्म की भली-भाँति स्थापना करने के लिए मैं युग-युग में अवतरित होता हूँ।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ

अक्सर इन श्लोकों को केवल पौराणिक अवतार-कथा के रूप में देखा जाता है, लेकिन इनका दार्शनिक और व्यावहारिक अर्थ हर युग के समाज और व्यक्ति पर लागू होता है:

- प्रकृति और समाज का संतुलनकारी नियम (Law of Equilibrium): जब समाज, पर्यावरण या किसी व्यवस्था में शोषण, अन्याय और असंतुलन अपनी चरम सीमा पर पहुँच जाता है, तब व्यवस्था अपने आप सुधार की दिशा में एक नया मोड़ लेती है। यह ईश्वरीय नियम है कि बुराई चाहे जितनी प्रबल दिखे, उसका अंत उसी के चरम में छिपा होता है।
- व्यक्तिगत चेतना का पुनर्जागरण: यह केवल बाहरी अवतार की बात नहीं है; जब हमारे भीतर नकारात्मक विचार, आलस्य और निराशा (आंतरिक अधर्म) हावी होने लगते हैं, तब हमारे भीतर बैठा विवेक, आत्मबल और सत्य-चेतना (आंतरिक धर्म) पुनः जागृत होकर हमें सन्मार्ग पर लाते हैं।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏



मंडे पॉजिटिव

सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकान्त मिश्र/बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रगाढ़ शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चंपारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पौडीरस श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिक्षकों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चंपारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोटसर के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।



चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संस्कृत शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चंपारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह रौलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यवसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकलकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम छात्र पर पड़ेगा जो देश का भविष्य है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

एकदम शान्तिय
बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक ज्ञानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरू हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फैली है। इसका उद्देश्य है कि प्रत्येक बच्चे को नवी ज्ञानकारी मिलती है। हम

यात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवस्थित प्राथमिक विद्यालय आसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के बच्चों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोटसर

- वेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियों की छुट्टी के दौरान शुरू हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि अखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाय तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफ़ी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की

01
सौ आठ अंक का से
बुका प्रकाशन



मूखला तैयार की, जिसका नाम रखा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'। इसको कुछ शिक्षा वाले बच्चों में शेयर किया रिमॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में वेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया।

आज हजारों के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिक का उत्सर्जन कहा से होता है, तबो का वर्गीकरण किसने किया। श्वेत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, धौंरणी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में पेररक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर, 08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूर जगन्नाथ। बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊँचाई देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सहायक शैक्षिक पालक सम्मने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के समुदायिक संकल्प और समर्पण से यह पालक हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चंपारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों को प्रबंधन सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के समुदायिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, सामुदायिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकें तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनवैभवो बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकर ले रही इस पालक का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोटसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों को एक टीम हिन्दू कुमार, सौर कुमार,



प्रखंड संसदन कैद बगहा दो - जगन्नाथ

राय, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही हैं। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यालयों के स्तर के अनुसार सरल, रोचक और प्रभावी होती है। 'सत्यक्रिप' मॉडल से सार्वजनिक

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सत्यक्रिप' मॉडल के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यालयों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तिगत विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। धृष्टन रम्य, वीडोज, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है। शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियाँ, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जगन्नाथ: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जगन्नाथ पत्रिका जोर रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पालक यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सराका



"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9

"धरती आबा" अमर जननायक 'भगवान' बिरसा मुंडा

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी किसी ऐसे वीर महापुरुष की गाथा सुनी है, जिन्हें लोग श्रद्धा से 'धरती आबा' यानी 'धरती का पिता' और 'भगवान' कहकर पूजते हैं? आज हम भारत के एक ऐसे ही महान जननायक की कहानी सुनेंगे, जिन्होंने बहुत कम उम्र में अंग्रेज़ हुकूमत और लालची ज़मींदारों के होश उड़ा दिए थे। वे हैं अमर स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा। बिरसा जी का जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड के खूंटी ज़िले के उलीहातू गाँव के एक अत्यंत साधारण मुंडा परिवार में हुआ था। मुंडा परंपरा के अनुसार, बृहस्पतिवार (बृहस्पतिवार को स्थानीय भाषा में 'बिरसा' कहा जाता है) के दिन जन्म लेने के कारण बालक का नाम 'बिरसा' रखा गया। उनके पिता का नाम सुगना मुंडा और माता का नाम करमी हातू था।

नन्हे बिरसा बचपन से ही बहुत फुर्तीले, बुद्धिमान और संगीत प्रेमी बालक थे। उन्हें जंगलों में बकरियाँ चराना, बाँसुरी बजाना और कढ़ू से बना पारंपरिक बाजा 'कढ़ू-तुइला' बजाना बहुत पसंद था। वे तीरंदाज़ी और गुलेल चलाने में भी माहिर थे। नन्हे बिरसा पढ़ने में इतने होशियार थे कि उनके शिक्षक जयपाल नाग ने उन्हें चाईबासा के जर्मन मिशन स्कूल में पढ़ने भेजा। वहाँ बालक बिरसा ने देखा कि अंग्रेज़ पादरी उनके समाज की प्राचीन संस्कृति, रीति-रिवाजों और जंगलों पर सवाल उठा रहे हैं। स्वाभिमानी बिरसा को यह बिल्कुल रास नहीं आया और उन्होंने स्कूल छोड़ दिया। बाद में वे आनंद पांडे नामक विद्वान के संपर्क में आए, जहाँ उन्होंने भारतीय दर्शन, रामायण और महाभारत का गहरा ज्ञान प्राप्त किया।

उस समय अंग्रेज़ सरकार ने 'जंगल कानून' बनाकर आदिवासियों के जल, जंगल और ज़मीन पर पाबंदी लगा दी थी। अंग्रेज़ और महाजन मिलकर सीधे-सादे वनवासियों का भारी शोषण कर रहे थे। बीस वर्ष की उम्र में बिरसा मुंडा ने अपने समाज को जगाने का बीड़ा उठाया। उन्होंने लोगों को स्वच्छता, पेड़-पौधों की रक्षा और नशे से दूर रहने का संदेश दिया। उन्होंने लोगों को आत्मसम्मान से जीना सिखाया। पूरा समाज उन्हें अपना रक्षक मानकर 'धरती आबा' पुकारने लगा। बिरसा मुंडा ने अंग्रेज़ों के भारी लगान और अन्याय के खिलाफ एक विशाल जन-आंदोलन शुरू किया, जिसे इतिहास में 'उलगुलान' (यानी महाक्रांति) कहा जाता है। उन्होंने सिंहगर्जना करते हुए नारा दिया—"अबुआ दिशुम रे अबुआ राज" (अर्थात हमारे देश में हमारा अपना शासन होगा)।

जब अंग्रेज़ों ने उन्हें दबाना चाहा, तो बिरसा मुंडा के अनुयायियों ने पारंपरिक तीर-कमान लेकर अंग्रेज़ सेना की आधुनिक बंदूकों का डटकर मुकाबला किया। उन्होंने जंगलों में छापामार युद्ध लड़ा। अंग्रेज़ सरकार उनके प्रभाव से इतनी काँप उठी कि उन्होंने बिरसा को पकड़ने के लिए पाँच सौ रुपये का बड़ा इनाम घोषित कर दिया। 3 मार्च 1900 को चक्रधरपुर के जमकोपाई जंगल में जब वे सो रहे थे, अंग्रेज़ पुलिस ने धोखे से उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

राँची जेल में कठोर यातनाओं के बीच 9 जून 1900 को महज़ पच्चीस वर्ष की कच्ची उम्र में यह अमर जननायक वीरगति को प्राप्त हुआ। उनके अदम्य साहस का ही परिणाम था कि अंग्रेज़ों को झुककर 'छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम' (सीएनटी एक्ट) बनाना पड़ा, जिससे आदिवासियों की ज़मीन सुरक्षित हुई। उनके जन्मदिन यानी 15 नवंबर को पूरा भारत बड़े गर्व से 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाता है। प्यारे बच्चों, बिरसा मुंडा का पावन जीवन हमें सिखाता है कि अपनी प्रकृति और संस्कृति से अटूट प्रेम करो, अंधविश्वासों से दूर रहो और अन्याय के खिलाफ निडर होकर अपनी आवाज़ बुलंद करो।



शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2





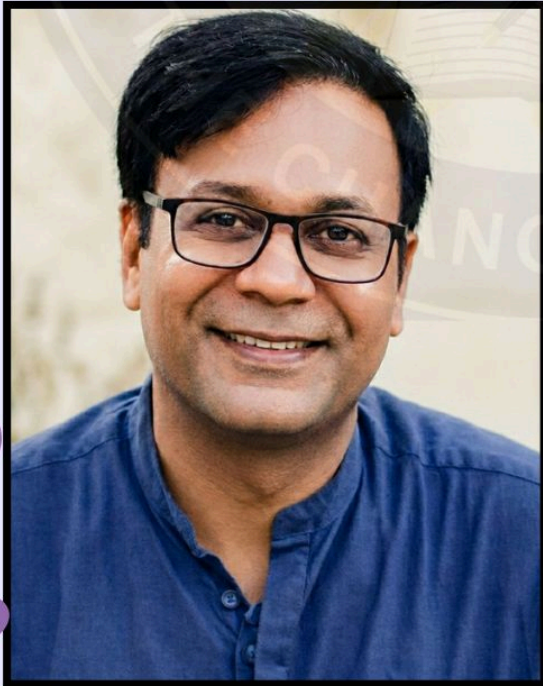
Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और
जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿 🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के
लिए।



संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)



-9939671700

आज का विचार:

संसार में फैली अव्यवस्था या बुराई से हताश मत होइए। सत्य और
न्याय की शक्ति हमेशा अंतिम रूप से विजयी होती है। अपने
कर्तव्य-पथ पर डटे रहिए और अपने हिस्से की सच्चाई व ईमानदारी
को कभी डिगने मत दीजिए।

+917250818080



teachersofbihar@gmail.com



+917250818080



www.teachersofbihar.org

